प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

मेले में उपलब्ध होंगे खरीफ की उन्नतशील प्रजातियों के बीज

पंतनगर। 02 मार्च, 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय में 7–10 मार्च 2019 को आयोजित होने वाले किसान मेले में विश्वविद्यालय के विभिन्न केन्द्रों द्वारा उत्पादित खरीफ की विभिन्न फसलों की उन्नतशील एवं अधिक उत्पादन देने वाली प्रजातियों के बीज के साथ-साथ सब्जी व फूलों के बीज एवं पौध तथा औषधीय एवं सगंधी पादप व फलों के पौधे उपलब्ध कराये जायेंगे। मेले में विश्वविद्यालय के नॉरमन ई. बोरलाग फसल अनुसंधान केन्द्र एवं बीज उत्पादन केन्द्र द्वारा उत्पादित खरीफ की प्रमुख फसलों जैसे धान, मक्का, अरहर, मूंग, उड़द, सोयाबीन आदि के बीज उपलब्ध कराये जाएंगे। फसल अनुसंधान केन्द्र पर धान की पूसा सुगंध-5, पूसा सुगंध-1509, गोविन्द, पीआर-121, एचकेआर-47, सरजू-52, नरेन्द्र-359 एवं पीआर-113; उर्द की पंत उर्द-31 एवं पंत उर्द-40; तथा मूंग की पंत मूंग-2 एवं पंत मूंग-5 प्रजातियों के बीज उपलब्ध होंगे। विश्वविद्यालय फार्म के स्टाल पर भी धान की प्रजातियों के बीज समुचित मात्रा में उपलब्ध होंगे। सब्जी अनुसंधान केन्द्र द्वारा उत्पादित विभिन्न सब्जियों, यथा तोरई, लोकी, खीरा, करेला, आदि के पौधे व अन्य सब्जियों के बीज; आदर्श पुष्प उत्पादन केन्द्र द्वारा उत्पादित विभिन्न पुष्पों के बीज, पौध व बल्ब मेले में उपलब्ध होंगे। विश्वविद्यालय के औषधीय एवं सगंध पादप अनुसंधान एवं विकास केन्द्र द्वारा उत्पादित शोभाकार औषधीय एवं सगंध पादपों की गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री भी मेले में उपलब्ध करायी जायेगी, जिनमें ऐलोवेरा, जलब्रहम्मी, सफेद सतावर, अश्वगन्धा, सर्पगंधा, कैमोमाइल, आर्टिमीशिया, तुलसी इत्यादि सम्मिलित हैं। इनके अतिरिक्त उद्यान अनुसंधान केन्द्र द्वारा तैयार किये गये आम, लीची, अमरूद, नींबू, कटहल, अनार, पपीता व करौंदा की विभिन्न प्रजातियों के पौधे रू. 100.00, 50.00 अथवा 15.00 प्रति पौधे की दर से विक्रय हेतु उपलब्ध होंगे। इनके अतिरिक्त मशरूम का व्यवसायिक स्पान, मास्टर स्पान तथा कल्चर स्पान भी बिक्री हेतु उपलब्ध होंगे। विश्वविद्यालय के अतिरिक्त विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सार्वजनिक/निजी कम्पनियों एवं निगमों द्वारा भी उन्नतशील बीजों व पोधों की बिक्री की जायेगी, जिनकी गुणवत्ता की जांच के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।